



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 86]

नई दिल्ली, मंगलवार, मार्च 22, 2016/चैत्र 2, 1938

No. 86]

NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 22, 2016/ CHAITRA 2, 1938

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 मार्च, 2016

गहरे, अत्यधिक गहरे और उच्च दबाव-उच्च तापक्रम वाले क्षेत्रों में खोजों से उत्पादित की जाने वाली गैस के लिए मूल्य निर्धारण की आजादी सहित विपणन।

सं.ओ-22013/27/2012-ओएनजी-डी-V(भाग-II).—भारत सरकार निम्नानुसार गहरे, अत्यधिक गहरे और उच्च दबाव-उच्च तापक्रम वाले क्षेत्रों में खोजों से उत्पादित की जाने वाली गैस के लिए मूल्य निर्धारण की आजादी सहित विपणन को एतद्वारा अधिसूचित करती है :

- ए) i) वैकल्पिक ईंधनों के उतराई मूल्य के आधार पर अधिकतम मूल्य की शर्त पर, गहरे समुद्र/अत्यधिक गहरे समुद्र/उच्च ताप-उच्च दाब वाले क्षेत्रों में सभी खोजों, जिनसे 01.01.2016 से वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया जाना है और ऐसे क्षेत्रों में सभी भावी खोजों के लिए, उत्पादकों को मूल्य निर्धारण स्वतंत्रता सहित विपणन स्वतंत्रता की अनुमति होगी।
- ii) अधिकतम मूल्य वैकल्पिक ईंधनों के मूल्यों, जहां मूल्य सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं, पर आधारित होगा और परिकलन के तौर तरीके पारदर्शी रूप से सूचित किए जाएंगे। परिकलन में पारदर्शिता और सरलता को सुनिश्चित करने के लिए, जहां प्रकाशित उतराई मूल्य उपलब्ध नहीं होते हैं वहां उतराई लागत प्राप्त करने के लिए आयातित ईंधनों के एफओबी मूल्यों के लिए 5 प्रतिशत सामान्य मार्क-अप लागू किया जाएगा।
- iii) उतराई मूल्य-आधारित अधिकतम मूल्य को छः माह में एक बार परिकलित किया जाएगा और अगले छः माह के लिए संभावित रूप से लागू किया जाएगा। अमरीकी डालर प्रति एमएमबीटीयू में अधिकतम मूल्य के परिकलन (जीसीवी) के लिए प्रयुक्त मूल्य डाटा चार तिमाही पीछे का और एक तिमाही आगे का होगा।
- iv) अमरीकी डालर प्रति एमएमबीटीयू में अधिकतम मूल्य (जीसीवी) को इस प्रकार परिकलित किया जाएगा, (I) आयातित ईंधन तेल का उतराई मूल्य (II) वैकल्पिक ईंधनों के भारित औसत आयात उतराई मूल्य (III) आयातित एलएनजी के उतराई मूल्य का न्यूनतम।

- (v) आयातित ईंधन तेल का उतराई मूल्य निम्नवत परिभाषित किया जाता है:
- अरब गल्फ ईंधन तेल 180 सीएसटी के लिए प्लेटस द्वारा उदृत किए गए दैनिक मूल्यों का 12 माह का सामान्य औसत जमा भाड़ा, बीमा आदि के लिए 5 प्रतिशत का मार्क-अप।
- (vi) वैकल्पिक ईंधनों का भारित औसत आयात उतराई मूल्य को निम्नवत परिभाषित किया जाता है:
- $$0.3 \times \text{आयातित कोल का उतराई मूल्य} + 0.4 \times \text{आयातित तेल ईंधन का उतराई मूल्य} + 0.3 \times \text{आयातित नाफ्था का उतराई मूल्य}$$
- इस उद्देश्य के लिए, आयातित कोल का उतराई मूल्य निम्नवत परिभाषित किया जाता है:
- कोल आयात के लिए प्लेटस द्वारा उदृत किए गए दैनिक मूल्यों का 12 माह का सामान्य औसत।
- इस उद्देश्य के लिए, आयातित ईंधन तेल का उतराई मूल्य निम्नवत परिभाषित किया है:
- अरब गल्फ ईंधन तेल 180 सीएसटी के लिए प्लेटस द्वारा उदृत किए गए दैनिक मूल्यों का 12 माह का सामान्य औसत जमा भाड़ा, बीमा आदि के लिए 5 प्रतिशत का मार्क-अप।
- इस उद्देश्य के लिए, आयातित नाफ्था का उतराई मूल्य निम्नवत परिभाषित किया जाता है:
- अरब गल्फ नाफ्था के लिए प्लेटस द्वारा उदृत किए गए दैनिक मूल्यों का 12 माह का सामान्य औसत जमा भाड़ा, बीमा आदि के लिए 5 प्रतिशत का मार्क-अप।
- (vii) आयातित एलएनजी का उतराई मूल्य निम्नवत परिभाषित किया जाता है:
- वेस्ट इंडिया डीईएस मूल्य के लिए 'एलएनजी डेली' में प्लेटस द्वारा उदृत किए गए दैनिक मूल्यों का 12 माह का सामान्य औसत।
- पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तहत पेट्रोलियम आयोजना और विश्लेषण प्रकोष्ठ महा निदेशक (डीजी, पीपीएसी) इन दिशा-निर्देशों के अंतर्गत अधिकतम गैस मूल्य की आवधिक समीक्षा अधिसूचित करेंगे।
- ख) विपणन स्वतंत्रता उपलब्ध कराने के लिए इस विशेष व्यवस्था के उद्देश्य से, मूल्यांकन और विकास कूपों की कुल संख्या का कम से कम 2/3 तिहाई वाले क्षेत्रों में, क्षेत्र गहरे समुद्री/अत्यधिक गहरे समुद्री/उच्च दाब-उच्च ताप वाले क्षेत्रों पर ऐसे क्षेत्रों से समग्र प्राप्ति के लिए विशेष व्यवस्था हेतु पात्र क्षेत्र के तौर पर विचार किया जाएगा। वर्गीकरण निम्न प्रकार होगा (क) गहरे समुद्री क्षेत्र: 400 मीटर और 1500 मीटर के बीच गहराई वाले क्षेत्र (ख) अत्यधिक गहरे समुद्री क्षेत्र: 1500 मीटर से अधिक गहरे समुद्री क्षेत्र (ग) उच्च दाब-उच्च ताप वाले क्षेत्र: 690 बारस से अधिक सटइन कूप शीर्ष दाब वाले, 150 डिग्री सेंटीग्रेड से अधिक ताप के बाटम होल वाले क्षेत्र। कूपों की संख्या पर विचार करते समय, कूपों की संख्या को दशमलव के मामले में विगत की न्यूनतम संख्या तक पूर्णांकित किया जाएगा और कूपों से आशय खोज रिजर्वार (रिजर्वारों) में उप-धरातल भौगोलिक स्थल समन्वय होगा और जल की गहराई उप धरातल भौगोलिक स्थलों के ऊपर लंबवत होगी (वैथी मीटर के अनुसार)।
- ग) प्रस्तावित दिशा-निर्देश भावी खोजों और मौजूदा खोजों, जिनसे दिनांक 01.01.2016 को वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया जाना है, के लिए लागू होंगे। तथापि, मौजूदा खोजों, जिनसे दिनांक 01.01.2016 को वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया जाना है, यदि ऐसे क्षेत्रों को कवर करने वाले गैस मूल्य निर्धारण से सीधे तौर पर संबंधित संविदाकारों द्वारा की गई माध्यस्थम अथवा याचिका लंबित होती है तो यह नीतिगत दिशा-निर्देश ऐसे याचिका/ माध्यस्थम और संबंधित कानूनी कार्यवाहियों के निष्कर्ष/उन्हें वापस लेने पर ही लागू किए जाएंगे।
- घ) वर्तमान में उत्पादन कर रहे सभी गैस क्षेत्र उसी मूल्य निर्धारण व्यवस्था द्वारा प्रशासित होते रहेंगे जो वर्तमान में उनके लिए लागू है।

यू.पी. सिंह, अपर सचिव

MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

NOTIFICATION

New Delhi, the 21st March , 2016

Marketing including pricing freedom for the gas to be produced from Discoveries in Deepwater, Ultra Deepwater and High Pressure-High Temperature areas.

No. O-22013/27/2012-ONG-D-V(Vol-II) – The Government of India hereby notifies the Marketing including pricing freedom for the gas to be produced from Discoveries in Deepwater Ultra Deepwater, and High Pressure-High Temperature areas as hereunder :-

A) i) For all the discoveries in deep water/ultra deep water/high temperature-high pressure areas which are yet to commence commercial production as on 01.01.2016 and to all future discoveries in such areas, the producers will be allowed marketing freedom including pricing freedom subject to a ceiling price on the basis of landed price of alternative fuels.

ii) The ceiling shall be based on the prices of substitute fuels where prices are publicly available, and the method of calculation shall be communicated transparently. To ensure transparency and simplicity in calculation, a simple mark-up of 5% shall be applied to the FOB prices of imported fuels to arrive at the landed price where published landed prices are not available.

iii) The landed price-based ceiling will be calculated once in six months and applied prospectively for the next six months. The price data used for calculation of ceiling price in US \$ per mmbtu (GCV) shall be the trailing four quarters data with one quarter lag.

iv) The ceiling price in US \$ per mmbtu (GCV) shall be calculated as, lowest of the (i) Landed price of imported fuel oil (ii) Weighted average import landed price of substitute fuels and (iii) Landed price of imported LNG.

v) The landed price of imported fuel oil is defined as:

Twelve months simple average of daily prices quoted by Platts for Arab Gulf Fuel Oil 180 CST plus a mark-up of 5% towards freight, insurance etc.,

vi) The weighted average import landed price of substitute fuels is defined as follows:

$0.3 \times \text{landed price of imported coal} + 0.4 \times \text{landed price of imported fuel oil} + 0.3 \times \text{landed price of imported naphtha}$

For this purpose, the landed price of imported coal is defined as:

Twelve months simple average of daily prices quoted by Platts for coal import.

For this purpose, the landed price of imported fuel oil is defined as:

Twelve months simple average of daily prices quoted by Platts for Arab Gulf Fuel Oil 180 CST plus a mark-up of 5% towards freight, insurance etc .

For this purpose, the landed price of imported naphtha is defined as:

Twelve months simple average of daily prices quoted by Platts for Arab Gulf Naphtha plus a mark-up of 5% towards freight, insurance etc..

vii) The landed price of imported LNG is defined as:

Twelve months simple average of daily prices quoted by Platts in 'LNG Daily' for West India DES price.

Director General of Petroleum Planning and Analysis Cell (DG, PPAC) under the Ministry of Petroleum and Natural Gas will notify the periodic revision of gas price ceiling under these guidelines.

B) For the purpose of this special dispensation of providing marketing freedom, fields having at least 2/3rd of the total number of appraisal and development wells in that field in deep water/ultra deep water/high pressure-high temperature area shall be considered as eligible for the special dispensation for the entire output from such fields. The classification will be as (a) Deep water areas: Areas having water depth between 400 meters and 1500 meters (b) Ultra-Deep water areas: Areas having water depth greater than 1500 meters (c) High Pressure-High Temperature Areas: Areas having shut-in well head pressure greater than 690 bars, bottom hole temperature greater than 150 degree

centigrade. While considering the number of wells, the number of wells will be rounded off to the previous lower number of wells in case of decimals and the wells will mean the sub-surface geological location coordinates in the discovery reservoir(s) and the water depths will be vertically above the sub-surface geological locations (as per bathymetry).

C) The proposed guidelines would be applicable to future discoveries as well as existing discoveries which are yet to commence commercial production as on 01.01.2016. However, in case of existing discoveries which are yet to commence commercial production as on 01.01.2016, if there is pending arbitration or litigation filed by the contractors directly pertaining to gas pricing covering such fields, this policy guideline shall be made applicable only on the conclusion/withdrawal of such litigation/ arbitration and the attendant legal proceedings.

D) All gas fields currently under production will continue to be governed by the pricing regime which is currently applicable to them.

U. P. SINGH, Addl. Secy.